चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 19 मई 2026, अंक –283.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

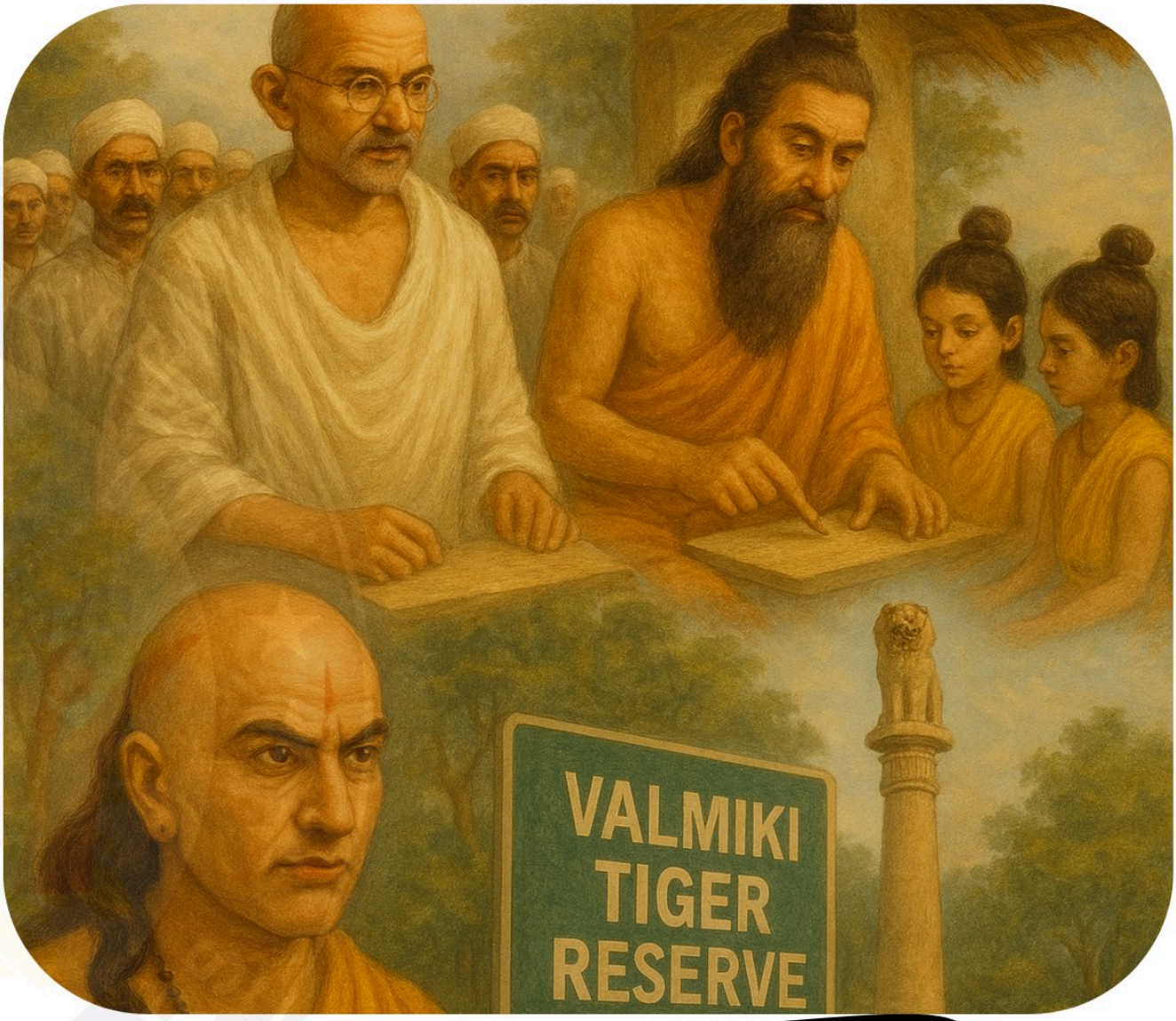

"धैर्य कड़वा है, लेकिन इसका फल मीठा होता है।"

— अरस्तू

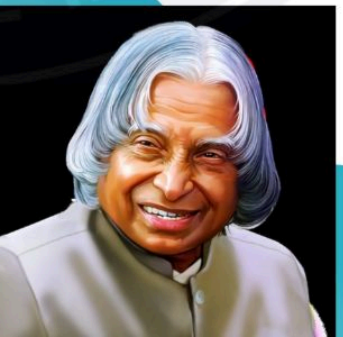

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) का मुख्यालय किस शहर में स्थित है?
उत्तर: न्यूयॉर्क
प्रश्न 2. भारत में हरित क्रांति के जनक किसे कहा जाता है?
उत्तर: एम. एस. स्वामीनाथन
प्रश्न 3. 'लद्दाख उत्सव' भारत के किस केंद्र शासित प्रदेश में मनाया जाता है?
उत्तर: लद्दाख
प्रश्न 4. त्रिभुज के कितने भुजाएँ होती हैं?
उत्तर: 3
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा शहर एशिया के प्रसिद्ध पशु मेले के लिए जाना जाता है?
उत्तर: सोनपुर
प्रश्न 6. चिल्का झील पक्षी विहार किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 7. सीसीटीवी कैमरा का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: वाल्टर ब्रुच
प्रश्न 8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को किस प्रकार का राष्ट्र कहा गया है?
उत्तर: संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य
प्रश्न 9. 'राजा का पुत्र' — इसमें कौन-सा समास है?
उत्तर: तत्पुरुष समास
प्रश्न 10. पौधों में भोजन बनाने के लिए सूर्य के प्रकाश के अतिरिक्त कौन-सी गैस आवश्यक होती है?
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Bakery – (बेकारी) – बेकरी
Bread – (ब्रेड) – रोटी / ब्रेड
Butter – (बटर) – मक्खन
Cheese – (चीज़) – पनीर / चीज़
Breakfast – (ब्रेकफास्ट) – नाश्ता
Lunch – (लंच) – दोपहर का भोजन
Dinner – (डिनर) – रात्रि भोजन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या मैं ... करता/करती हूँ?" (Do I ...?)

क्या मैं पढ़ता/पढ़ती हूँ? – Do I read?
क्या मैं लिखता/लिखती हूँ? – Do I write?
क्या मैं खेलता/खेलती हूँ? – Do I play?
क्या मैं खाना खाता/खाती हूँ? – Do I eat food?
क्या मैं अंग्रेज़ी सीखता/सीखती हूँ? – Do I learn English?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 19 मई को वैश्विक स्तर पर किस गंभीर संक्रामक बीमारी के प्रति जागरूकता और वैक्सीन अनुसंधान हेतु 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: एड्स (AIDS)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 19 मई को 'World AIDS Vaccine Day' या 'HIV Vaccine Awareness Day' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन खोजने की आवश्यकता के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना और वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना करना है।
संदर्भ: World Health Organization (WHO), 2026.

2. हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा जारी 'ग्लोबल प्लास्टिक आउटलुक 2026' रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर रीसाइक्लिंग का नया लक्ष्य क्या है? (समसामयिकी)
उत्तर: शून्य प्लास्टिक प्रदूषण
व्याख्या: मई 2026 में जारी यूएनईपी की इस रिपोर्ट में सदस्य देशों से वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक संधि लागू करने का आह्वान किया गया है। यह सतत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पर्यावरण नीति है।
संदर्भ: UNEP Official Report, May 2026.

3. दक्षिण भारत के प्रसिद्ध बंदरगाह 'पुहार' या 'कावेरीपट्टिनम' का वर्णन किस प्राचीन तमिल महाकाव्य में विस्तार से मिलता है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: शिल्प्पादिकारम
व्याख्या: इलांगो अडिगल द्वारा रचित महाकाव्य 'शिल्प्पादिकारम' में चोलों के समृद्ध तटीय व्यापारिक केंद्र 'पुहार' (कावेरीपट्टिनम) का सजीव वर्णन है। यहाँ विभिन्न देशों के व्यापारी कीमती सामानों के आदान-प्रदान के लिए आते थे। यह प्राचीन भारतीय व्यापारिक इतिहास का प्रमुख साहित्यिक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 92.

4. वायुमंडल की परतों में 'आयनमंडल' (Ionosphere) किस मुख्य परत का एक भाग है जो रेडियो संचार को संभव बनाता है? (पर्यावरण)
उत्तर: बाह्य वायुमंडल (Thermosphere)
व्याख्या: बाह्य वायुमंडल का विस्तार 80 से 400 किमी तक है और इसी के भीतर आयनमंडल पाया जाता है। पृथ्वी से प्रसारित होने वाली रेडियो तरंगें इस परत द्वारा पुनः पृथ्वी पर परावर्तित कर दी जाती हैं, जिससे हमारा वायरलेस और सैटेलाइट संचार तंत्र कार्य करता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

5. प्राचीन रेशम मार्ग (Silk Route) पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कौन थे, जिन्होंने बौद्ध धर्म को संरक्षण दिया? (इतिहास)
उत्तर: कुषाण वंश
व्याख्या: लगभग 2000 वर्ष पूर्व मध्य एशिया और उत्तर-पश्चिम भारत पर शासन करने वाले कुषाण राजाओं का रेशम मार्ग पर सबसे मजबूत नियंत्रण था। उनके शासनकाल में ही इस मार्ग की एक शाखा मध्य एशिया से सिंधु नदी के मुहाने के पत्तनों तक जाती थी, जहाँ से जहाजों द्वारा रेशम रोम साम्राज्य तक पहुँचता था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 93.

"सामान्य-ज्ञान"

6. उच्च दाब क्षेत्र से निम्न दाब क्षेत्र की ओर वायु की गति को भूगोल की तकनीकी शब्दावली में क्या कहते हैं? (भूगोल)
उत्तर: पवन (Wind)
व्याख्या: हवा हमेशा उच्च वायुदाब वाले क्षेत्रों से कम वायुदाब वाले क्षेत्रों की ओर बहती है। गतिशील वायु को ही 'पवन' कहा जाता है। पवनों को मुख्य रूप से तीन भागों—स्थायी पवनें (जैसे व्यापारिक पवनें), मौसमी पवनें (जैसे मानसून) और स्थानीय पवनों (जैसे लू) में विभाजित किया जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 23.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 23' नागरिकों को किस अमानवीय कृत्य के विरुद्ध मौलिक अधिकार प्रदान करता है? (संविधान)
उत्तर: मानव तस्करी और जबरन श्रम
व्याख्या: अनुच्छेद 23 'शोषण के विरुद्ध अधिकार' के तहत मानव व्यापार (Human Trafficking), बेगार (बिना मजदूरी के काम) और इसी तरह के अन्य सभी जबरन श्रम को प्रतिबंधित करता है। इस कानून का उल्लंघन करना संविधान के अनुसार एक दंडनीय अपराध है जो सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 36.

8. मानव शरीर में श्वसन के दौरान गैसों का विनिमय (CO_2 का बाहर निकलना और O_2 का अवशोषण) फेफड़ों के किस हिस्से में होता है? (विज्ञान)
उत्तर: वायु कोष्ठिका (Alveoli)
व्याख्या: फेफड़ों के भीतर पतली नलिकाओं का जाल अंत में गुब्बारे जैसी संरचनाओं में बदल जाता है जिन्हें वायु कोष्ठिका या एल्वियोली कहते हैं। इनकी पतली दीवारों में रक्त वाहिकाओं का विस्तृत जाल होता है, जहाँ विसरण (Diffusion) प्रक्रिया द्वारा रक्त शुद्ध होता है। यह श्वसन तंत्र की मूल कार्यात्मक इकाई है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 10 Respiration in Organisms, p. 113

9. प्रसिद्ध 'बृहदेश्वर मंदिर' (तंजावुर) का निर्माण किस महान चोल शासक द्वारा द्रविड़ स्थापत्य शैली के तहत करवाया गया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: राजराज प्रथम
व्याख्या: 11वीं शताब्दी की शुरुआत में राजा राजराज चोल प्रथम द्वारा निर्मित यह मंदिर चोल वास्तुकला का सर्वोच्च शिखर माना जाता है। यह पूरी तरह से ग्रेनाइट पत्थर से बना है और इसका भव्य विमान (शिखर) दक्षिण भारतीय या 'द्रविड़ शैली' की पहचान है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में स्थान प्राप्त है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 2 New Kings and Kingdoms, p. 22.

10. बिहार के किस जिले में थारू संस्कृति और मध्यकालीन इतिहास से जुड़ा 'डोमगढ़' (डोन) दुर्ग के अवशेष स्थित हैं? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिमी चम्पारण
व्याख्या: पश्चिमी चम्पारण के बगहा-2 प्रखंड में स्थित 'डोमगढ़' (या डोन) एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। यह प्राचीन काल में घने जंगलों के बीच निर्मित एक गढ़ (किला) था, जिसका संबंध स्थानीय डोनवार शासकों या लोक-संस्कृति से माना जाता है। यह क्षेत्र थारू जनजाति के इतिहास और चम्पारण के स्थानीय प्रशासन को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) / डिस्ट्रिक्ट गजेटियर (पश्चिमी चम्पारण).

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, चक्रवाती तूफान या तेज आंधी के शांत हो जाने के तुरंत बाद बाहर निकलने पर किस बात का खतरा सर्वाधिक रहता है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: टूटे बिजली के तार
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई सप्ताह-3 (चक्रवात/आंधी) के सुरक्षा मानकों के अनुसार, तूफान थमने के तुरंत बाद बच्चों को बाहर नहीं जाना चाहिए। सड़कों पर टूटे हुए बिजली के पोल, लटकते हाई-टेंशन तार या कमजोर पेड़ों के गिरने का अत्यधिक जोखिम होता है। बिजली आपूर्ति पूरी तरह कट जाने की पुष्टि के बाद ही बाहर निकलना सुरक्षित है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

12. यदि अंग्रेजी वर्णमाला श्रृंखला में 'E' को '5' और 'HOTEL' को '12' के रूप में कूटबद्ध किया जाता है, तो उसी कूट भाषा में 'LAMB' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: सात (7)
व्याख्या: यहाँ शब्द के अक्षरों के वर्णमाला क्रमांक के योग को अक्षरों की कुल संख्या से भाग दिया गया है। जैसे HOTEL के लिए: (8+15+20+5+12) = 60; फिर $\frac{60}{5 \text{ (अक्षर)}} = 12$। इसी प्रकार LAMB के लिए: (12+1+13+2) = 28; फिर $\frac{28}{4 \text{ (अक्षर)}} = 7$ होगा। यह रीजनिंग बच्चों की गणितीय सटीकता बढ़ाती है।
संदर्भ: Mental Ability and Coding-Decoding Guide (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Keenly (कीनली) = Eagerly (ईगरली) = उत्सुकतापूर्वक
Antonym – Indifferently (इन्डिफरेंटली) = उदासीनता से
Legible (लेजिबल) = Readable (रीडेबल) = स्पष्ट पढ़ने योग्य
Antonym – Illegible (इलेजिबल) = अपठनीय
Miserly (माइज़रली) = Stingy (स्टिंजी) = कंजूस
Antonym – Generous (जेनरस) = उदार
Notable (नोटेबल) = Remarkable (रिमार्केबल) = उल्लेखनीय
Antonym – Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण
Opaque (ओपेक) = Non-transparent (नॉन-ट्रांसपैरेंट) = अपारदर्शी / अस्पष्ट
Antonym – Transparent (ट्रांसपैरेंट) = पारदर्शी / स्पष्ट

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Param-Anu'; India to set up 10 indigenous 'Small Modular Reactors' (SMRs) to boost clean energy grid by 2029.

केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट परम-अणु' की घोषणा की; परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और 2029 तक स्वच्छ ऊर्जा ग्रिड को मजबूत करने के लिए देश में 10 स्वदेशी 'स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स' (SMRs) स्थापित किए जाएंगे।

Ministry of Agriculture introduces 'AI-Krishi Rakshak'; India's first satellite-linked autonomous drone fleet for localized pest management.

कृषि मंत्रालय ने 'एआई-कृषि रक्षक' प्रणाली लॉन्च की; यह देश का पहला उपग्रह से जुड़ा स्वायत्त ड्रोन बेड़ा है, जो खेतों में कीड़ों और बीमारियों का स्वतः पता लगाकर केवल प्रभावित हिस्से पर ही कीटनाशक का छिड़काव करेगा।

UIDAI introduces 'Face-Aura' 3D verification; a contactless biometric upgrade to eliminate fingerprint spoofing in financial transactions.

यूआईडीएआई (UIDAI) ने 'फेस-ऑरा' 3D सत्यापन तकनीक पेश की; वित्तीय लेनदेन और राशन वितरण में फिंगरप्रिंट की नकल (spoofing) रोकने के लिए यह एक पूरी तरह से संपर्क रहित (contactless) बायोमेट्रिक अपग्रेड है।

INTERNATIONAL NEWS

Interpol sets up 'Global Virtual Police Desk' in the Metaverse; allows citizens across 150 nations to report cross-border cybercrimes in real-time.

इंटरपोल ने मेटावर्स में दुनिया का पहला 'ग्लोबल वर्चुअल पुलिस डेस्क' स्थापित किया; इसके माध्यम से 150 देशों के नागरिक सीमा पार होने वाले साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें वर्चुअल रियलिटी (VR) के जरिए सीधे दर्ज करा सकेंगे।

BBC News: Scientists in Sweden discover a 'Bacterial Enzyme' that completely breaks down forever-chemicals (PFAS) in water reservoirs.

बीबीसी न्यूज़: स्वीडन के उपसाला विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक ऐसे 'बैक्टीरियल एंजाइम' की खोज की है, जो पानी में मौजूद कभी न नष्ट होने वाले खतरनाक रसायनों (PFAS) को पूरी तरह से सुरक्षित तत्वों में तोड़ देता है।

World Economic Forum (WEF) releases 'Global Green Skills Index 2026'; India ranks 5th in the rapid creation of renewable energy workforce.

विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी 'ग्लोबल ग्रीन स्किल्स इंडेक्स 2026' में भारत ने शीर्ष 5 में जगह बनाई; देश में रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर के क्षेत्र में 'हरित नौकरियों' (Green Jobs) के सृजन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Semiconductor Skill Academy' in Patna to train 10,000 engineering graduates for India's chip design boom.

बिहार सरकार पटना में अपनी तरह की पहली 'राज्य सेमीकंडक्टर कौशल अकादमी' स्थापित करेगी; इसके तहत राज्य के 10,000 इंजीनियरिंग स्नातकों को देश के बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग की मांग के अनुरूप आधुनिक चिप डिजाइनिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

Water Resources Department Bihar deploys AI-based 'Ganga-Prahari' automated boats in Patna and Bhagalpur to monitor river pollution and water levels.

बिहार जल संसाधन मंत्रालय ने पटना और भागलपुर में 'गंगा-प्रहरी' नामक स्वायत्त (AI-driven) नावें तैनात की हैं; ये नावें बिना किसी नाविक के चौबीसों घंटे गंगा नदी के जल स्तर, गाद (silt) और प्रदूषण मानकों की रीयल-टाइम निगरानी करेंगी।

SPORTS NEWS

Indian Shuttler Lakshya Sen wins the 'Indonesia Open 2026' Super 1000 title; defeats World No. 1 in a thrilling straight-sets final.

भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने जकार्ता में आयोजित इंडोनेशिया ओपन 2026 का प्रतिष्ठित सुपर 1000 खिताब अपने नाम किया; उन्होंने सीधे सेटों में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी को हराकर इतिहास रचा।

F1 Federation introduces 'Hydrogen-Powered Race Engines' for the 2027 season; testing of green-fuel hypercars concludes successfully.

फॉर्मूला वन (F1) फेडरेशन ने मोटर स्पोर्ट्स को पूरी तरह कार्बन-मुक्त बनाने के लिए 2027 सीजन से 'हाइड्रोजन-संचालित रेस इंजन' को शामिल करने की आधिकारिक घोषणा की; इसके प्रोटोटाइप का परीक्षण सफल रहा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का वास्तविक अर्थ है—प्रगति का नया प्रमाण। खुद को समय के साथ अपडेट रखें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"सजगता ही सुरक्षा"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज अनीता मैडम बच्चों को स्वास्थ्य के महत्व के बारे में समझा रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारा शरीर समय-समय पर हमें संकेत देता है। यदि हम उन संकेतों को समझ लें, तो कई बड़ी समस्याओं से बच सकते हैं।

कक्षा में बैठा केशव पिछले कई दिनों से पेट दर्द की शिकायत कर रहा था, लेकिन वह इसे मामूली समझकर अनदेखा करता रहा। उसे लगता था कि थोड़ी देर में सब ठीक हो जाएगा।

कुछ दिनों बाद दर्द बढ़ गया। पढ़ाई में उसका मन नहीं लगने लगा और वह खेल के मैदान में भी पहले जैसा सक्रिय नहीं रहा। यह देखकर अनीता मैडम ने उससे पूछा—

"केशव, क्या बात है? तुम पहले जैसे उत्साहित नहीं दिख रहे हो।"

केशव ने अपनी परेशानी बताई। अनीता मैडम ने उसे समझाया कि शरीर की समस्याओं को छिपाना या टालना ठीक नहीं है। उन्होंने उसके माता-पिता से बात की और डॉक्टर से जाँच कराने की सलाह दी।

जाँच के बाद डॉक्टर ने कहा कि समय पर इलाज शुरू होने से समस्या जल्दी ठीक हो जाएगी। केशव ने दवा ली, भोजन और दिनचर्या में सुधार किया और कुछ ही दिनों में स्वस्थ हो गया।

विद्यालय लौटकर उसने अपने मित्रों से कहा—

"मैंने सीखा है कि बीमारी को छोटा समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।"

अनीता मैडम ने पूरी कक्षा से कहा— "बच्चों, स्वस्थ रहना केवल दवा से नहीं, बल्कि जागरूकता और सही समय पर उपचार से संभव होता है।"

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लेंगे।

संदेश : "सजगता ही सुरक्षा है, और समय पर उपचार ही अच्छे स्वास्थ्य की सबसे बड़ी कुंजी है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

'हमारे छात्र भी अंग्रेजी बोलें'

अपने विद्यालय के छात्रों में अंग्रेजी बोलने की आदत विकसित करने के लिए हमें सबसे पहले उनके डर को हटाना होगा और रोज़ अभ्यास कराते हुए बोलने का वातावरण तैयार करना होगा। इस निमित्त छोटे-छोटे और मज़ेदार तरीकों को अपनाने से अच्छा परिणाम मिलेगा। हमारे ये तरीके निम्नवत् हो सकते हैं-

प्रत्येक छात्र से रोज़ कम-से-कम एक अंग्रेज़ी वाक्य बुलवाने का अभ्यास कराना

जैसे: May I come in teacher? Good morning teacher. My name is Ravi. I am fine. Please give me a book. एक वाक्य बोलने के अभ्यास कराने के बाद फिर धीरे-धीरे वाक्यों की संख्या बढ़ा सकते हैं।

वर्गकक्ष में शिक्षक भी कुछ सामान्य Instructions अंग्रेज़ी में बोलें। जैसे: Open your book. Please Sit down. Stand up please. Keep quiet. Listen carefully. Very good. Well done. छात्र सुनते-सुनते बोलना भी शुरू करेंगे।

हमें प्रत्येक वर्गकक्ष में एक "English Corner" बनाना चाहिए जहाँ रोज़ 5–10 नए शब्द लिखे जाएं जिन्हें छात्र सीखने की कोशिश करें।

विद्यालय के चेतना सत्र में छात्रों को अंग्रेजी में बोलने हेतु प्रेरित करना चाहिए। जैसे Thought of the day. News, Self introduction आदि।

छोटी कक्षा के छात्रों से भी एक दो वाक्य बुलवा सकते हैं। वर्गकक्ष में दो बच्चों की जोड़ी बनाकर आपस में बातचीत करवा कर बोलने का वातावरण तैयार कर सकते हैं।

जैसे:- What is your name?, My name is ....., How are you ? I am fine.

इसके अतिरिक्त वर्गकक्ष में Word chain, Picture naming, Action game, Role play आदि का आयोजन कर भी बोलने का अभ्यास कराना चाहिए।

इस क्रम में छात्रों से यदि गलती हो जाए तो शिक्षक को डाँटना नहीं चाहिए। अगर छात्र गलत English बोल रहे हो, तो तुरंत छात्र को रोककर शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। पहले हमें उसकी कोशिश की सराहना करनी चाहिए फिर सही वाक्य धीरे से बताना चाहिए।

वर्गकक्ष में सप्ताह में एक दिन केवल अंग्रेजी बोलने का दिन निर्धारित किया जाना चाहिए। जिसमें छात्र केवल simple English words का प्रयोग करें। Greetings English में, छोटे संवाद English में करें।

विद्यालय की वस्तुओं पर उनके नाम English में लिखना चाहिए। जैसे Door, Window, Fan, Blackboard, Table

बच्चे रोज़ देखकर सीखते हैं। छात्रों को कक्षा में कविता और action song के वाचन का अभ्यास कराया जा सकता है। इससे छात्रों में सुनने और बोलने की आदत जल्दी विकसित होगी।

शिक्षक को प्रारंभ में केवल fluency पर ध्यान देना चाहिए grammar पर नहीं। बोलने में तीव्रता हासिल करने के बाद व्याकरण पर ध्यान देना चाहिए। कक्षा में प्रतिदिन पांच से दस मिनट अंग्रेजी बोलने का अभ्यास ज़रूर कराना चाहिए। कक्षा में छात्रों को बोलने का अवसर अधिक देते हुए कमजोर बच्चों को भी शामिल करना चाहिए।

यदि उपर सुझाए गए तरीकों से अंग्रेजी बोलने का वातावरण विद्यालय में शिक्षकों द्वारा तैयार किया जाए तो हमारे सरकारी विद्यालयों के छात्र भी अंग्रेजी माध्यम वाले विद्यालय के छात्रों के समान फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने में सक्षम हो सकेंगे।

तो आईए हम अपने विद्यालय में भी अंग्रेजी बोलने का वातावरण तैयार करना सुनिश्चित करें।

.....✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🎉🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : पूर्वी चम्पारण, अंक–2"

नदियों, खेतों और सीमाओं के बीच आकार लेती एक जीवंत धरती

'संपादकीय'

उत्तर बिहार का भूगोल केवल मानचित्रों में नहीं समझा जा सकता। इसे समझने के लिए उन नदियों को देखना पड़ता है, जो हर वर्ष अपनी धारा बदलते हुए जीवन और संघर्ष दोनों साथ लाती हैं। East Champaran भी ऐसी ही धरती है, जहाँ प्रकृति ने उदारता और चुनौती– दोनों को बराबर मात्रा में बाँटा है।

नेपाल की तराई से उतरती हवाएँ और गंडक प्रणाली की नदियाँ इस जिले के भूगोल को विशेष स्वरूप देती हैं। बूढ़ी गंडक, बागमती और उनकी अनेक सहायक धाराएँ यहाँ की मिट्टी को अत्यंत उपजाऊ बनाती हैं। यही कारण है कि पूर्वी चम्पारण लंबे समय से कृषि प्रधान क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। लेकिन इन नदियों का स्वभाव केवल शांत नहीं है। बरसात के दिनों में यही नदियाँ उफान पर आकर गाँवों, खेतों और सड़कों को चुनौती देती हैं। यहाँ का जीवन मानो पानी के साथ एक सतत संवाद हो।

इस क्षेत्र की मिट्टी में हिमालय का स्पर्श मिलता है। सदियों से नदियाँ अपने साथ उपजाऊ गाद लाती रहीं, जिसने यहाँ की धरती को कृषि के लिए अनुकूल बनाया। धान की हरियाली, मक्के के खेत और गन्ने की लंबी कतारें केवल खेती नहीं, बल्कि इस भूभाग की आर्थिक धड़कन हैं। खेतों के बीच से गुजरती पगडंडियाँ आज भी उस ग्रामीण भारत की याद दिलाती हैं, जहाँ प्रकृति और मनुष्य का संबंध प्रत्यक्ष दिखाई देता है।

पूर्वी चम्पारण का भूगोल केवल खेतों तक सीमित नहीं है। यहाँ अनेक जलाशय, तालाब और आर्द्रभूमियाँ भी हैं, जो स्थानीय पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्दियों के मौसम में कई प्रवासी पक्षी इन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं। यह दृश्य बताता है कि यह जिला केवल मानव सभ्यता का ही नहीं, बल्कि पक्षियों और वन्यजीवों की यात्राओं का भी हिस्सा है। प्रकृति यहाँ सीमाएँ नहीं मानती; वह नेपाल से बिहार और बिहार से आगे तक अपना संसार रचती चलती है।

Kesariya Stupa पूर्वी चम्पारण की भौगोलिक और ऐतिहासिक पहचान का एक अनूठा प्रतीक है। माना जाता है कि यह विश्व के सबसे ऊँचे बौद्ध स्तूपों में से एक है। दूर से देखने पर इसकी संरचना मानो धरती और आकाश के बीच संवाद करती प्रतीत होती है। यह केवल एक पुरातात्विक स्थल नहीं, बल्कि उस समय का साक्षी है जब बिहार विश्व बौद्ध संस्कृति का प्रमुख केंद्र हुआ करता था।

इस जिले का मौसम भी इसके जीवन को गहराई से प्रभावित करता है। गर्मियों की उमस, मानसून की बाढ़ और सर्दियों की धुंध– तीनों यहाँ के सामाजिक और आर्थिक जीवन का हिस्सा हैं। बरसात के दिनों में गाँवों का एक-दूसरे से संपर्क टूट जाना यहाँ कोई असामान्य बात नहीं मानी जाती। लेकिन यही परिस्थितियाँ यहाँ के लोगों में अद्भुत धैर्य और सामूहिकता भी विकसित करती हैं।

नेपाल सीमा से निकटता ने पूर्वी चम्पारण को रणनीतिक और व्यापारिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाया है। सीमावर्ती बाजारों में भारतीय और नेपाली वस्तुओं का सहज आदान-प्रदान दिखाई देता है। भाषा, पहनावा और खानपान में भी यह पारस्परिक प्रभाव स्पष्ट महसूस होता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक बनावट अन्य जिलों की तुलना में अधिक बहुरंगी प्रतीत होती है।

पूर्वी चम्पारण का भूगोल हमें यह समझाता है कि कोई भी भूमि केवल मिट्टी और पानी का संयोजन नहीं होती। उसके भीतर इतिहास, संस्कृति, संघर्ष और भविष्य– सब एक साथ बहते हैं। यहाँ की नदियाँ खेतों को सींचने के साथ लोगों की स्मृतियों को भी आकार देती हैं। शायद इसी कारण इस जिले की पहचान इतनी जीवंत और गहरी महसूस होती है– मानो प्रकृति स्वयं यहाँ इतिहास लिख रही हो।

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org